सत्य जो कभी नहीं बदलता

क्या आप परमेश्वर की आवाज सुनते हैं?

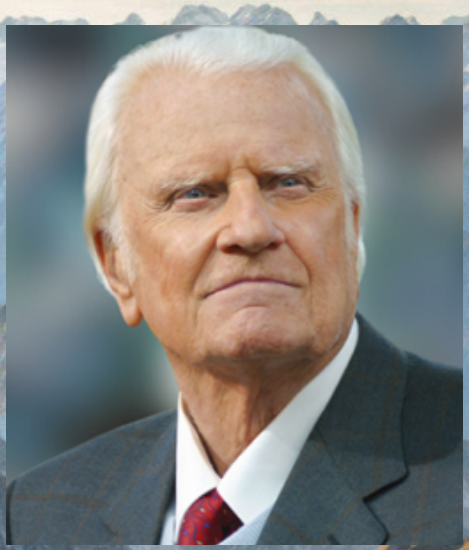

प्रार्थना केवल माँगना नहीं है।
यह परमेश्वर के आदेशों को
सुनना है।
बिली ग्राहम
प्रचारक

"आप कुछ नहीं सीख रहे हैं
जब आप बात कर रहे हैं।"

इन महान शब्दों के लिए अक्सर दिवंगत राष्ट्रपति, लिंडन जॉनसन को श्रेय दिया जाता है। (दूसरों के साथ-साथ)

लेकिन चाहे उन्होंने उन्हें मूल रूप से कहा है या नहीं, वे अभी भी सच हैं!

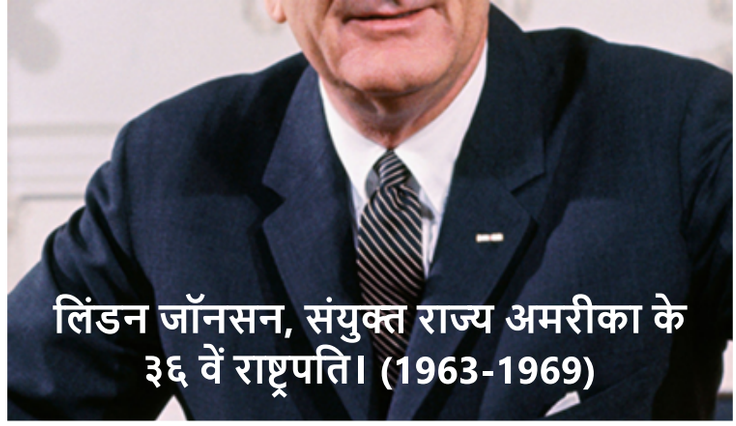

लिंडन जॉनसन, संयुक्त राज्य अमरीका के ३६ वें राष्ट्रपति। (1963-1969)

बोनो आयरिश गायक और गीतकार

लगता है संगीतकार बोनो ने भी इसका अनुमान लगाया था

"आप कुछ भी नहीं सीख रहे हैं, यदि आप बात कर रहे हैं!"

(डलास मॉर्निंग न्यूज के साथ एक साक्षात्कार से)

और फिर अब अननुकरणीय चर्चिल है

"खड़े होना और बोलना साहस होता है। बैठकर सुनने के लिए भी साहस की आवश्यक होती है।"

तो यह है... बिली ग्राहम, जॉनसन, बोनो और चर्चिल सभी ने एक ही भावना साझा की!

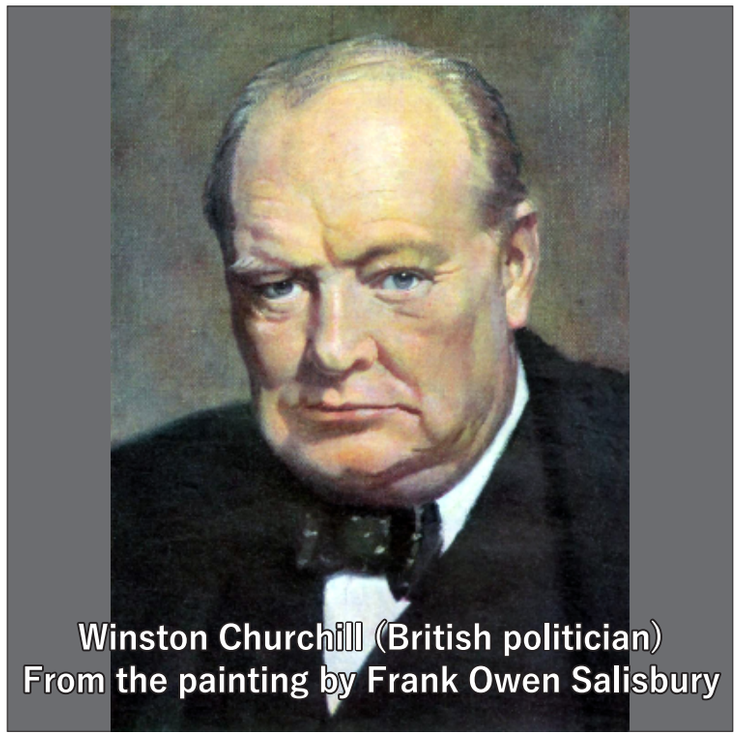

Winston Churchill (British politician)
From the painting by Frank Owen Salisbury

इसे पुनर्व्यवस्थित करेंगे S I L E N T

तो आप को यह मिलेगा LISTEN

"हे मेरे प्रिय भाइयो, यह बात तुम जान लो:
हर एक मनुष्य **सुनने के लिये तत्पर और बोलने में धीर** और क्रोध में धीमा हो।"
याकूब 1:19

दूसरे शब्दों में, हमें चुप रहने की जरूरत है ताकि हम सुन सकें!

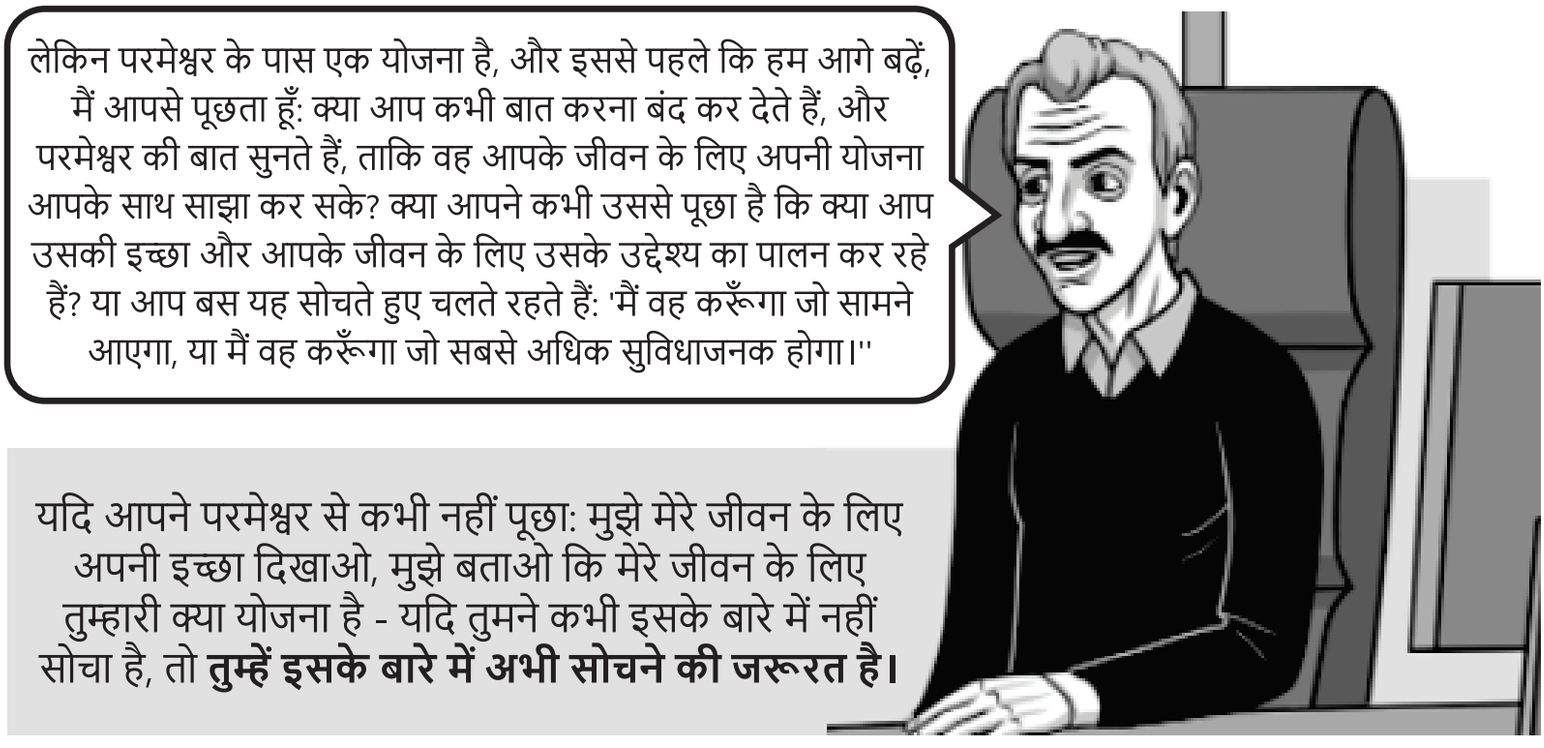

तो मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूँ: क्या परमेश्वर ने आपसे हाल में बात की है? क्या आपको चुपचाप बैठना चाहिए ताकि परमेश्वर आपसे सीधे तरीके से बात कर सके, या शायद परमेश्वर बोल रहा है और आप **सुन** नहीं रहे हैं? यदि आप नहीं **सुन** रहे हैं तो परमेश्वर के मार्गदर्शन का कोई मूल्य नहीं है, और कोई अन्य आप के लिए नहीं **सुन** सकता है!

हम सभी को हर क्षेत्र में ईश्वरीय मार्गदर्शन की आवश्यकता है और वह हमें दिखाने, और बताने के लिए तैयार, इच्छुक और प्रतिबद्ध है। इसलिए इस निबंध में हम परमेश्वर को सुनने के बारे में बात करते हैं।

तो मैं आपसे यह पूछता हूँ: अपनी प्रार्थना के समय में, आप **परमेश्वर को सुनने के लिए** कितना समय देते हैं? या आप ही सारी बातें करते रहते हैं?

जब आप प्रार्थना करने के लिए घुटने टेकते हैं, तो क्या आप कहते हैं, स्वर्गीय पिता, मैं आज सिर्फ आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ, और बस आप आगे बोलते चले जाते हैं, फिर आप यीशु के नाम में आमीन कहते हैं, और फिर आप उठकर जो करना चाहते हैं वह करते हैं। **परमेश्वर को सुनने का यह तरीका नहीं है!**

विश्वासी के लिए परमेश्वर की **बात सुनना** महत्वपूर्ण है; आपको परमेश्वर को बोलने का समय देने की आवश्यकता है! क्योंकि परमेश्वर के पास आपके लिए एक योजना है, और वह आपको दिखाना चाहता है कि योजना क्या है, वह अपनी योजना में आपका मार्गदर्शन करना चाहता है। जब परमेश्वर बोलता है, तो वह आपसे आपके जीवन के बारे में बात करता है और यह हमेशा अच्छा होता है। यह कभी-कभी चेतावनी हो सकती है, लेकिन यह भी अच्छा है।

परमेश्वर आपके द्वारा उसके वचन को पढ़ने के माध्यम से बात करता है, या शायद प्रार्थना के

माध्यम से, या शायद परिस्थितियों के माध्यम से, या आपके द्वारा उपदेशक को सुनने के माध्यम से, और निश्चित रूप से आपके शांत समय के द्वारा। **परमेश्वर इन सभी बातों के माध्यम से बोलेगा।**

जब लोगों ने मुझ से कहा, "आओ, हम यहोवा के भवन को चलें, तब मैं आनन्दित हुआ।"
भजन संहिता 122:1

इस निबंध में बाइबल के इस पद्य के बारे में सोचने का यह एक अच्छा समय है, क्योंकि परमेश्वर पहले ही ऐसा कर चुका है। उसके पास आपके लिए **व्यक्तिगत रूप से** एक योजना है। बात यह है, क्योंकि उसके पास एक योजना है, और उस योजना में वह आपका मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है, क्यों न आप अपना हिस्सा करें और उपदेशक की बात सुनें?

प्रतिज्ञा #1

मैं तुझे बुद्धि दूँगा, और जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उस में तेरी अगुवाई करूँगा; मैं तुझ पर कृपादृष्टि रखूँगा और सम्मति दिया करूँगा।"
भजन संहिता 32:8

प्रतिज्ञा #2

"तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन् सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना। उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा।"
नीतिवचन 3:5-6

कलीसिया की सभा में पहली सेवा जो दूसरों के प्रति होती है, वह है उन्हें सुनना। जैसे परमेश्वर का प्रेम उसके वचन को सुनने से शुरू होता है, वैसे ही हमारे भाइयों और बहनों के लिए प्रेम की शुरुआत उन्हें सुनने से होती है।

डायट्रिच बोन्होफ़ेर

वही तो हम बात कर रहे हैं! यह विचार कि परमेश्वर हमारे जीवन का मार्गदर्शन करेगा, लेकिन उसे ऐसा करने के लिए कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम अक्सर नहीं सोचते हैं, और वह यह कि यदि वह मेरा मार्गदर्शक बनेगा तो...

वह जो कहता है
उसे सुनने के लिए मुझे तैयार होना होगा।

जो बुद्धिमान है,
वह सुनता है।
नीतिवचन 12:15

आप फिर पूछ सकते हैं, परमेश्वर कैसे बोलता है? हमसे बात करने का उसका प्राथमिक तरीका उसके वचन, बाइबल के माध्यम से है। कभी-कभी लोग पूछते हैं, आप बाइबल को उँचा क्यों करते हो? **यह इसलिए है क्योंकि मैं अधिकार नहीं हूँ, बाइबल है।**

यदि आप अपना जीवन अपने नियमों के अनुसार चलाते हैं, और आप बाइबल का उपयोग नहीं करते हैं (इसे मेरी जैसी दिखने की ज़रूरत नहीं है), लेकिन यदि आप कभी बाइबल नहीं पढ़ते हैं, तो आपको खुद से पूछना चाहिए: ऐसा क्यों है कि यह, **परम अधिकार**, पढ़ा नहीं जा रहा है

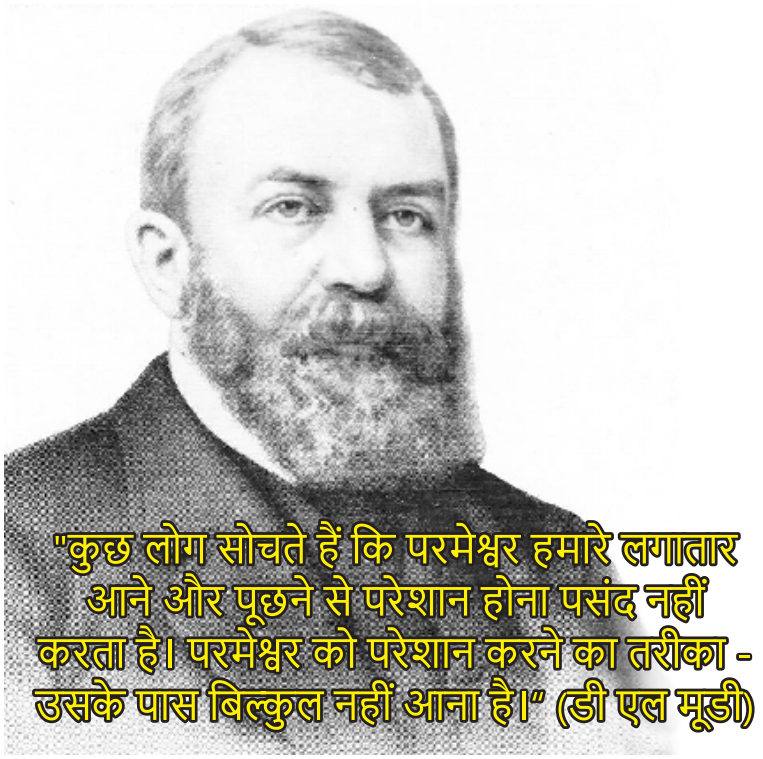

इसलिए कभी-कभी हमें कुछ प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए: ठीक है परमेश्वर, आप यह कैसे करेंगे? या मैं यह कैसे करूँगा?

परमेश्वर के उत्तर हमेशा पवित्रशास्त्र के अनुरूप होंगे, हालाँकि कभी-कभी वह बहुत धीरे से बोलता है। लेकिन जब भी वह हमसे बात करता है, हमेशा स्पष्ट रूप से करता है।

परमेश्वर बात को इधर-उधर नहीं घुमाता है, वह सीधे मुद्दे पर आता है और कहता है, यह वह है जो मैं चाहता हूँ कि आप करें।

हालाँकि, कुछ नियम और शर्तें हैं। देखें कि याकूब क्या कहता है: " परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते हैं। २३क्योंकि जो कोई वचन का सुननेवाला हो और उस पर चलनेवाला न हो, तो वह उस मनुष्य के समान है जो अपना स्वाभाविक मुँह दर्पण में देखता है। २४इसलिये कि वह अपने आप को देखकर चला जाता और तुरन्त भूल जाता है कि वह कैसा था। 25पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है, वह अपने काम में इसलिये आशीष पाएगा कि सुनकर भूलता नहीं पर वैसा ही काम करता है।"

याकूब 1, 22-25

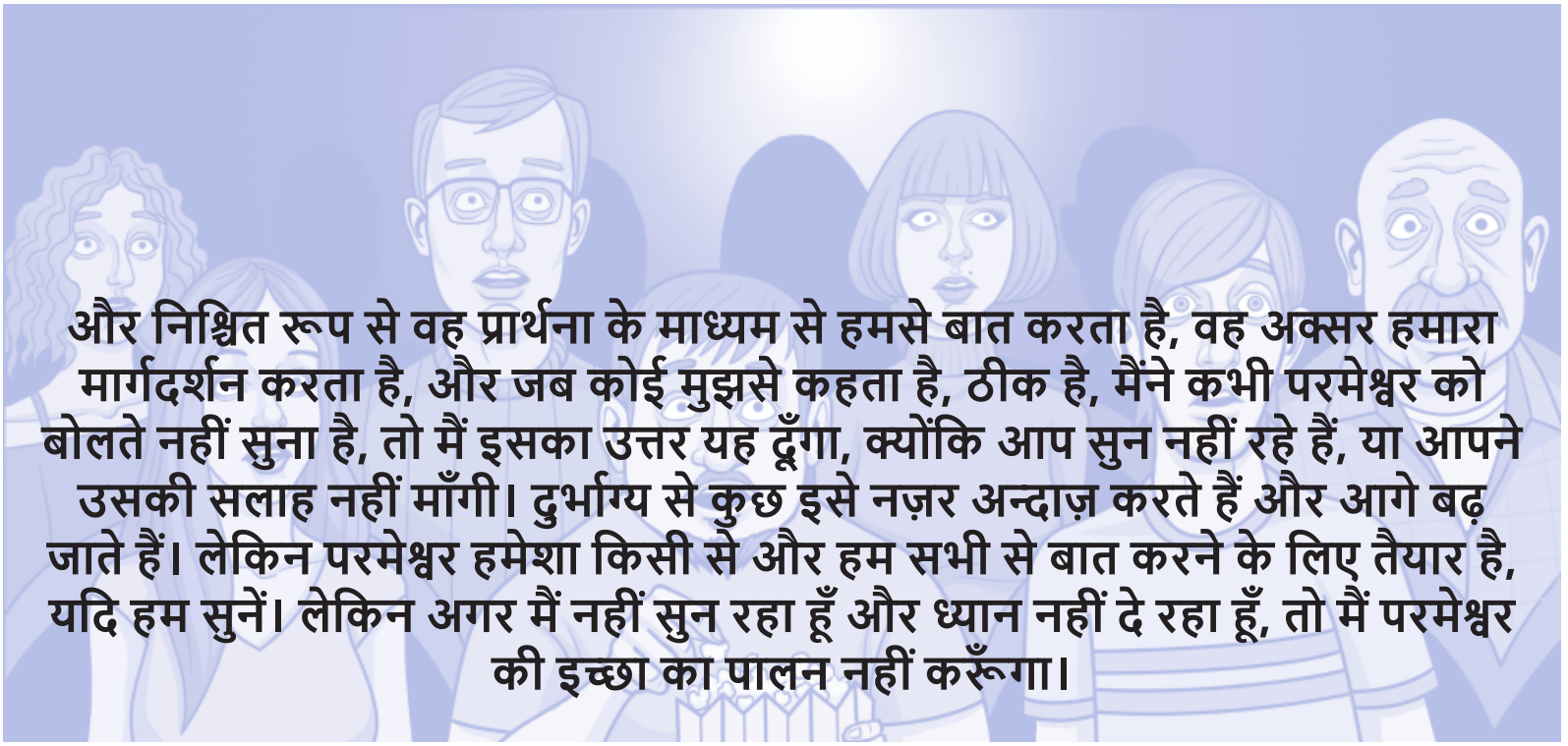

और निश्चित रूप से वह प्रार्थना के माध्यम से हमसे बात करता है, वह अक्सर हमारा मार्गदर्शन करता है, और जब कोई मुझसे कहता है, ठीक है, मैंने कभी परमेश्वर को बोलते नहीं सुना है, तो मैं इसका उत्तर यह दूँगा, क्योंकि आप सुन नहीं रहे हैं, या आपने उसकी सलाह नहीं माँगी। दुर्भाग्य से कुछ इसे नज़र अन्दाज़ करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन परमेश्वर हमेशा किसी से और हम सभी से बात करने के लिए तैयार है, यदि हम सुनें। लेकिन अगर मैं नहीं सुन रहा हूँ और ध्यान नहीं दे रहा हूँ, तो मैं परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करूँगा।

प्रिय मित्र

आपको मेरा प्रोत्साहन यह है कि आप परमेश्वर के साथ तालमेल बिठाने के लिए बाइबल पढ़ना और प्रार्थना करना हर दिन का अभ्यास बनाएं, और इससे पहले कि आप बातें करना शुरू करें, शांत रहें और उसे बोलने दें, ताकि आप उसकी अद्भुत योजना को सुन सकें जो **केवल आप के लिए है!**

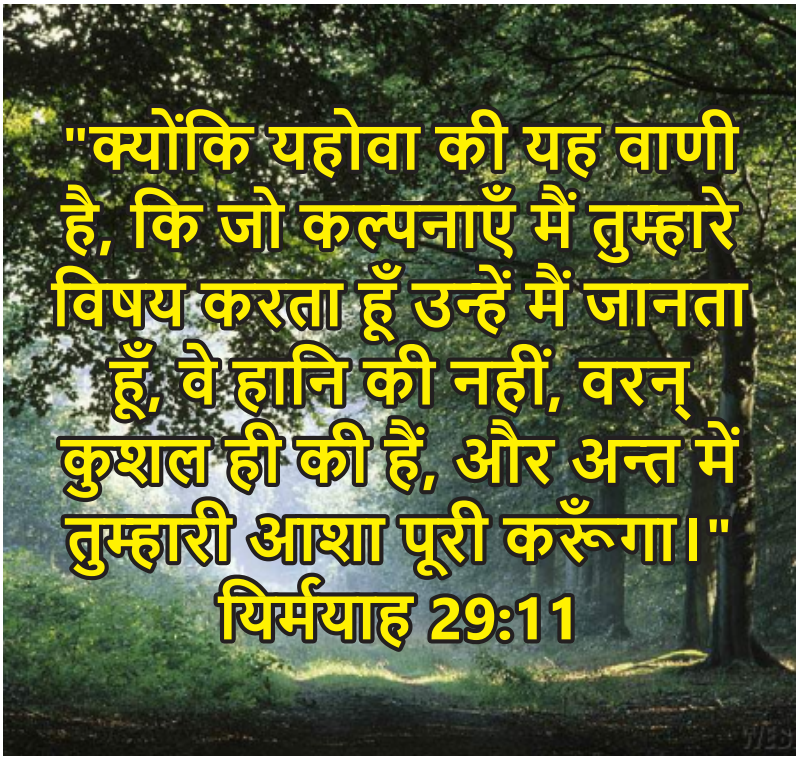

यीशु सहायता के लिए बाट जोह रहा है, क्योंकि वह अकेले काम नहीं कर सकता है।

तो कौन आएगा और काम करने में उसकी मदद करेगा? वह खेतों में फसल लहलहाते देखता है, जो परमेश्वर के राज्य के लिये पक चुकी है, और मजदूर थोड़े हैं।

फिर भी कोई भी आगे आने और अपनी पहल पर खुद को पेश करने की हिम्मत नहीं करता है, यह केवल वे होंगे **जो परमेश्वर की आवाज सुनते हैं।**

यह वे होंगे जो उसके हृदय के प्रेम को साझा करते हैं जिसे देखने के लिए आँखें दी हैं। केवल उन्हें ही फसल के खेत में प्रवेश करने के लिए बुलाया जा सकता है।

एक दिन एक महिला ने प्रभु के लिए लोगों को जीतने के प्रयास में डी एल मूडी के सुसमाचार प्रचार के तरीकों की आलोचना की।

मूडी का उत्तर था: "मैं आपसे सहमत हूँ। मैं भी प्रचार करने के इस तरीके को पसंद नहीं करता हूँ। मुझे बताएं कि आप इसे कैसे करती हैं?"

उसने उत्तर दिया: "ओह, मैं नहीं करती हूँ।" मूडी ने उत्तर दिया: "मुझे आपके प्रचार न करने के तरीके से बेहतर करने का अपना तरीका पसंद है।"

सम्पर्क विवरण:

पास्टर वी.पी सिंह

+91 88263 53456

'vpsingh.sda@gmail.com'

दुनिया भर के लिए सेलफोन प्रचार, बाइबिल अध्ययन और उपदेश

TRACT © GEORGE ROSS